CEDSI
CENTRE OF EXCELLENCE FOR DAIRY SKILLS IN INDIA

CEDSI TIMES

Your Skilling Partner...

एमसी ने जुड़वां शहरों में अवैध डेयरियों के खिलाफ अभियान चलाया

नगर निगम, यमुनानगर-जगाधरी (एमसी) ने दोनों शहरों में अनधिकृत डेयरियों के खिलाफ अभियान शुरू किया है। अधिकारियों ने नालियों में गोबर फेंकने और खुले में कूड़ा फेंकने के आरोप में पांच डेयरी मालिकों के चालान जारी किए हैं। यह कार्रवाई नगर आयुक्त आयुष सिन्हा और अपर नगर आयुक्त धीरज कुमार के निर्देश पर हुई|

एमसी ने यह भी चेतावनी दी कि यदि उन्होंने अपनी डेयरियों को आवासीय क्षेत्रों से डेयरी परिसरों में स्थानांतरित नहीं किया, तो वे अनधिकृत डेयरियों के खिलाफ सीलिंग प्रक्रिया शुरू करेंगे।

एमसी की दो टीमों ने जगाधरी क्षेत्राधिकार के अंतर्गत आने वाले जोन-I और यमुनानगर में जोन-II में अवैध डेयरियों के खिलाफ अभियान चलाया। टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग की एक टीम ने यमुनानगर के मुमिदी गांव में दो एकड़ में फैली एक अनधिकृत कॉलोनी में तोड़फोड़ अभियान चलाया। टीम ने कॉलोनी में तीन नमी रोधी रास्ते और तीन मिट्टी की सड़कों को ध्वस्त कर दिया। डीटीपी डीआर पचीसिया ने बताया कि वेटरनरी सर्जन डॉ. विजय चौधरी को ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया है।

नया डेयरी किसान-अनुकूल बिल: वार्षिक कल्याण निधि की सीमा 500 लाख निर्धारित की गई

राज्य भर के डेयरी किसानों को समर्थन देने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण कदम में, केरल सरकार ने डेयरी किसान कल्याण कोष का विस्तार करके समावेशिता की ओर कदम बढ़ाया है। केरल डेयरी किसान कल्याण संशोधन विधेयक 2023 के माध्यम से पेश किया गया नया प्रावधान, अब स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) से जुड़े सभी डेयरी किसानों को शामिल करेगा, चाहे उनके दूध उत्पादन की मात्रा कुछ भी हो। यह घोषणा डेयरी कृषक समुदाय में खुशी लाती है और इससे 3350 एसएचजी से जुड़े 8 लाख से अधिक डेयरी किसानों को लाभ होगा।

परंपरागत रूप से, केवल डेयरी किसान जो सालाना न्यूनतम 500 लीटर दूध की आपूर्ति करते थे, वे कल्याण निधि में शामिल होने के पात्र थे। हालाँकि, इस सीमा को हटा दिया गया है, यह सुनिश्चित करते हुए कि फंड का लाभ राज्य के डेयरी उद्योग में योगदान देने वाले प्रत्येक डेयरी किसान तक पहुंचे।

संशोधन, जिसकी वर्तमान में विधानसभा विषय समिति द्वारा समीक्षा की जा रही है, को डेयरी फार्मिंग समुदाय के एक बड़े वर्ग के लिए समावेशिता और समर्थन पर जोर देने के लिए व्यापक समर्थन मिलने की उम्मीद है।

एनडीआरआई ने पशुधन में जीनोम संपादन प्रौद्योगिकियों पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया

इस राष्ट्रीय कार्यशाला का उद्देश्य छात्रों, शोधकर्ताओं और वैज्ञानिकों के बीच कौशल और ज्ञान की वृद्धि को बढ़ावा देने, तकनीकी और वैज्ञानिक आदान-प्रदान के लिए एक व्यापक मंच प्रदान करना था।

आईसीएआर-राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान, करनाल में पशुधन में प्रौद्योगिकी" का आयोजन किया गया। देश भर के कई संस्थानों से कुल 43 प्रतिभागियों ने भाग लिया। एनडीआरआई के निदेशक धीर सिंह ने कहा कि जीनोम संपादन एक अभूतपूर्व तकनीक के रूप में उभरा है जो लक्षित संशोधन को सक्षम बनाता है। वांछित लक्षण उत्पन्न करने के लिए पशु आनुवंशिकी।

प्रोफेसर विल्फ्रेड ए. कुएस के नेतृत्व में और ए.के. जैसे विशेषज्ञों द्वारा समर्थित। रावत और धीर सिंह ने कार्यशाला में पशुधन संवर्धन, रोग प्रबंधन और नवाचार में जीनोम संपादन के महत्व पर जोर दिया। इसकी सफलता प्रतिभागियों को उन्नत कौशल के साथ सशक्त बनाने, वैज्ञानिक विकास को बढ़ावा देने और मानव-पशु विकास चुनौतियों का समाधान करने से उपजी है

केंद्रीय मंत्री परषोत्तम रूपाला ने गुवाहाटी में पुरबी डेयरी प्लांट का दौरा किया

केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री परषोत्तम रूपाला ने गुरुवार को गुवाहाटी में पश्चिम असम दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लिमिटेड (वामुल-पूरबी डेयरी) का दौरा किया। मंत्री ने WAMUL द्वारा वर्तमान में की जा रही गतिविधियों की स्थिति की समीक्षा की, साथ ही इसकी भविष्य की योजनाओं का भी जायजा लिया।

मंत्री को राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) के प्रबंधन नेतृत्व में WAMUL द्वारा की गई प्रगति से अवगत कराया गया।

उन्होंने एनडीडीबी और दुग्ध संघ द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की। WAMUL के प्रबंध निदेशक द्वारा की गई प्रस्तुति के दौरान, मंत्री ने चारा और साइलेज बनाने की गतिविधियों और धान के भूसे के उपयोग पर जोर दिया। उन्होंने आगे कहा कि खाद प्रबंधन और मधुमक्खी पालन जैसी गतिविधियां अतिरिक्त आर्थिक लाभ के माध्यम से डेयरी किसानों की आजीविका बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

उन्होंने बायोगैस परियोजना के लाभार्थियों से स्लरी की खरीद में तेजी लाने का सुझाव दिया। समीक्षा बैठक के दौरान, मंत्री को APART के तहत WAMUL की पूरबी डेयरी विस्तार परियोजना के कमीशनिंग कार्यों से अवगत कराया गया। उन्होंने नवगठित संयुक्त द्वारा लागू की जाने वाली असम डेयरी विकास योजना (ADDP) के कार्यान्वयन की वर्तमान स्थिति की भी समीक्षा की। उद्यम- नॉर्थ ईस्ट डेयरी एंड फूड्स लिमिटेड।

मंत्री ने WAMUL को उसके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं दीं। समीक्षा बैठक में सरकार के प्रधान सचिव मनीष ठाकुर उपस्थित थे। असम, पशुपालन और पशु चिकित्सा विभाग, और एस रेगुपति, कार्यकारी निदेशक, एनडीडीबी के अलावा असम सरकार, एनडीडीबी और डब्ल्यूएएमयूएल के अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे।

डीएफसी ने गुजरात से एनसीआर तक दूध यात्रा के समय में 37% की कटौती की

समर्पित माल ढुलाई गलियारा दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र को गुजरात की डेयरी सहकारी समितियों के करीब ले आया है, जो दूध परिवहन के लिए तेज और किफायती माध्यम के रूप में उभरा है। डीएफसीसीआईएल इस साल जून से दिल्ली एनसीआर में दूध के ट्रकों का परिवहन कर रहा है।

"डीएफसी न्यू पालनपुर स्टेशन/गुजरात से हरियाणा के पलवल तक (लगभग 855 किमी की दूरी तय करते हुए) बनास डेयरी के लिए मिलेनियम (दूध) ट्रेनों का पारगमन समय भारतीय रेलवे संरेखण पर पिछले 23.29 घंटों से घटाकर 14.49 घंटे कर दिया गया है।" विज्ञप्ति में कहा गया है।

इसके परिणामस्वरूप जुलाई 2023 के महीने में यात्रा के समय में 37.23% की भारी कमी आई है। "अब मिल्क ट्रेनें न्यू पालनपुर (डब्ल्यूडीएफसी) से निकलती हैं और डब्ल्यूडीएफसी पर हरियाणा के न्यू पृथला तक चलती हैं। यहां से, ये फिर भारतीय रेलवे की ओर बढ़ती हैं। पलवल में हिंद टर्मिनल मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क में समाप्त होने से पहले रेलवे संरेखण, “डीएफसीसीआईएल ने कहा।

"न्यू दादरी (यूपी में) से साणंद (गुजरात में अहमदाबाद के पास) तक वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (डब्ल्यूडीएफसी) के संचालन के साथ, दूध टैंक वैगनों के परिवहन को तेज गति के साथ काफी फायदा हुआ है। नतीजतन, पारगमन समय में भारी कमी आई है डीएफसीसीआईएल ने एक विज्ञप्ति में कहा, "आवश्यक वस्तुओं की कुशल और विश्वसनीय आवाजाही सुनिश्चित करना।"

दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) की दूध आवश्यकताओं का एक बड़ा हिस्सा गुजरात राज्य में स्थित डेयरी संयंत्रों से पूरा होता है। पालनपुर क्षेत्र के आसपास बनास और मेहसाणा डेयरी सहित अन्य डेयरी द्वारा प्रतिदिन 35 लाख लीटर दूध की आपूर्ति की जाती है। इसमें कहा गया है, "भारतीय रेलवे गुजरात के पालनपुर और दिल्ली एनसीआर क्षेत्र के बीच एक समर्पित सर्किट में रेल मिल्क टैंकों की कुशल तैनाती के माध्यम से दूध का परिवहन करता है।"

टोन्ड, फुल-क्रीम दूध की कीमतें 2022 की तुलना में जून 2023 में 9-10% बढ़ीं

नवीनतम सरकारी आंकड़ों के अनुसार, टोन्ड और फुल-क्रीम दूध की कीमतों में पिछले साल की समान अवधि की तुलना में जून 2023 में क्रमशः 9% और 10% की मामूली वृद्धि दर्ज की गई है। आंकड़ों का खुलासा मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री, परषोत्तम रूपाला ने राज्यसभा में एक लिखित उत्तर में किया।

रूपाला ने इस बात पर जोर दिया कि इस साल की तेजी के बावजूद, देश भर में दूध की कीमत में पिछले तीन वर्षों में कोई भारी वृद्धि नहीं हुई है। यह जानकारी राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) से प्राप्त की गई थी, जो इस अवधि में अपेक्षाकृत स्थिर मूल्य निर्धारण प्रवृत्ति का संकेत देती है।

जून 2023 के आंकड़ों को तोड़ते हुए, टोन्ड दूध की कीमत 51.6 रुपये प्रति लीटर तक पहुंच गई, जो जून 2022 में 47.4 रुपये प्रति लीटर की तुलना में 8.86% की वृद्धि दर्शाती है। इसी तरह, फुल-क्रीम दूध की कीमत जून में 9.86% बढ़ गई। 2023, पिछले वर्ष की समान अवधि के दौरान 58.8 रुपये प्रति लीटर से 64.6 रुपये प्रति लीटर तक पहुंच गया।

इसके बाद के कदम में, डेयरी उद्योग की एक प्रमुख कंपनी मदर डेयरी ने दूध की कीमतों में आगामी बढ़ोतरी की घोषणा की। अगले मंगलवार से प्रभावी, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में फुल-क्रीम, टोन्ड और डबल-टोन्ड दूध वेरिएंट की कीमतें 2 रुपये प्रति लीटर बढ़ने वाली हैं। यह कदम संभवतः आपूर्ति और मांग की उभरती गतिशीलता से प्रभावित है।

मंत्री रूपाला ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत सरकार के तहत पशुपालन और डेयरी विभाग (डीएएचडी) देश के भीतर दूध की खरीद और बिक्री की कीमतों को विनियमित नहीं करता है। इसके बजाय, कीमतें उत्पादन लागत और प्रचलित बाजार ताकतों जैसे कारकों को ध्यान में रखते हुए सहकारी और निजी डेयरियों द्वारा निर्धारित की जाती हैं।

महिला उद्यमियों को सशक्त बनाना: सौर नवाचार भारत में आजीविका को बढ़ावा देता है

बेंगलुरु के ठीक बाहर एक ऑटो मरम्मत की दुकान, ओम शक्ति गैराज के हलचल भरे इलाके में, एक दिल दहला देने वाला बदलाव चल रहा है। कर्नाटक के रायचूर की रहने वाली एक ट्रांसजेंडर महिला यल्लामा ने पारंपरिक रूप से पुरुष-प्रधान क्षेत्र में खुद को एक उद्यमी के रूप में स्थापित करने के लिए प्रतिकूलताओं का सामना किया है। पांच साल की उम्र में निकाल दिए जाने के बाद सड़कों पर रहने से लेकर, यल्लामा की यात्रा उन्हें बेंगलुरु में मास्टर मैकेनिक तक ले गई, जहां उन्होंने अपना गैराज शुरू किया। हालाँकि, यह सेल्को फाउंडेशन का हस्तक्षेप था जिसने सौर ऊर्जा से संचालित एक मोड़ लाया, जिससे उसके व्यवसाय को निर्बाध ऊर्जा पहुंच के साथ बढ़ावा मिला। सौर ऊर्जा से सुसज्जित कार्यशाला के साथ, यल्लामा की उत्पादकता बढ़ गई, जिससे वह अपनी सेवाओं को दोपहिया वाहनों से बढ़ाकर प्रति दिन पांच से आठ की प्रभावशाली संख्या तक करने में सक्षम हो गई।

2030 तक 500 गीगावॉट गैर-जीवाश्म बिजली की भारत की खोज में उल्लेखनीय सौर विकास देखा जा रहा है, जिससे पांच वर्षों में नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता लगभग दोगुनी होकर 131 गीगावॉट हो गई है। महिलाएं, जो अक्सर अदृश्य होती हैं फिर भी मेहनती होती हैं, सौर ऊर्जा संचालित सशक्तिकरण से तेजी से लाभान्वित हो रही हैं। सौर क्षमता, जो कुल नवीकरणीय ऊर्जा का 54% है, आजीविका में बदलाव ला रही है। पॉवरिंग लाइवलीहुड्स के अनुसार, भारत में स्वच्छ तकनीक आजीविका उपकरणों को जल्दी अपनाने वालों में 71% से अधिक महिलाएं हैं। ऊर्जा, पर्यावरण और जल परिषद की दिशा अग्रवाल विकेंद्रीकृत सौर अनुप्रयोगों के महत्व पर जोर देती हैं, यह रेखांकित करते हुए कि भारत की सौर यात्रा में महिलाएं कैसे महत्वपूर्ण हैं।

इन प्रगतियों के बीच, यल्लामा की कहानी सौर नवाचार की परिवर्तनकारी शक्ति के प्रमाण के रूप में चमकती है, जो महिलाओं को आर्थिक स्वायत्तता की ओर प्रेरित करती है और सामाजिक मानदंडों को चुनौती देती है।

सीईडीएसआई ने लैक्टेलिस - प्रभात डेयरी के दूध खरीद पदाधिकारियों के लिए डिज़ाइन किया गया 2 दिवसीय री-फ्रेशर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया

सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर डेरी स्किल्स इन इंडिया (सीईडीएसआई) ने लैक्टालिस - प्रभात डेयरी के साथ साझेदारी करते हुए दो दिवसीय उन्नत प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। 17 और 18 अगस्त को श्रीरामपुर, महाराष्ट्र में आयोजित इस पहल का उद्देश्य दूध खरीद अधिकारियों की क्षमताओं को बढ़ाना था। दूध खरीद की सुविधा के लिए जिम्मेदार 25 कर्मचारियों की भागीदारी के साथ, प्रशिक्षण में दक्षता बढ़ाने और बेहतर स्वच्छता प्रथाओं के माध्यम से उच्च गुणवत्ता वाले दूध उत्पादन सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। यह सहयोगात्मक प्रयास डेयरी क्षेत्र में सतत विकास के लिए कौशल और मानकों को उन्नत करने, सिद्धांत को व्यावहारिक अनुप्रयोग के साथ जोड़ने की उद्योग की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

सीईडीएसआई और रिलायंस फाउंडेशन ने व्यापक प्रशिक्षण के माध्यम से डेयरी विस्तार श्रमिकों को सशक्त बनाने के लिए सहयोग किया है

रिलायंस फाउंडेशन के साथ साझेदारी में, सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर डेरी स्किल्स इन इंडिया (सीईडीएसआई) ने कामारेड्डी, तेलंगाना में डेयरी विस्तार श्रमिकों के लिए एक व्यापक तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। 16 से 18 अगस्त तक आयोजित इस कार्यक्रम में 30 प्रतिभागी शामिल हुए और यह पूरी तरह से क्षेत्रीय भाषा में आयोजित किया गया। इस व्यापक पहल ने प्रतिभागियों को उनकी भूमिकाओं के अनुरूप व्यावहारिक अनुभव और अंतर्दृष्टि प्रदान की। रिलायंस फाउंडेशन के साथ मिलकर, सीईडीएसआई ने एक कौशल-बढ़ाने वाले मंच की सुविधा प्रदान की, जिसने डेयरी पेशेवरों को सशक्त बनाया, व्यावहारिक अनुप्रयोग के साथ सिद्धांत को संरेखित किया और डेयरी क्षेत्र में क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा दिया।

सीईडीएसआई पीएमकेवीवाई-आरपीएल के तहत डेयरी किसान उद्यमियों को सशक्त बना रहा है

पीएमकेवीवाई-आरपीएल की छत्रछाया में, डेयरी किसान उद्यमियों के लिए एक अपस्किलिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम वर्तमान में प्रगति पर है। सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर डेरी स्किल्स इन इंडिया (एएससीआई) के साथ भारत में डेयरी कौशल उत्कृष्टता केंद्र (सीईडीएसआई) द्वारा संचालित, यह कार्यक्रम तेलंगाना की मुलुकनूर महिला सहकारी डेयरी में सक्रिय रूप से हो रहा है। 14 अगस्त को शुरू हुआ कार्यक्रम, स्थानीय भाषा में दिया गया, कुल 80 किसानों के लिए तीन बैचों में आयोजित किया जा रहा है। इस प्रयास का उद्देश्य डेयरी किसानों की क्षमताओं को बढ़ाना, उद्यमिता को बढ़ावा देना और डेयरी क्षेत्र की विकास संभावनाओं को बढ़ाना है।

हम कौन हैं?

कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के तहत भारतीय कृषि कौशल परिषद (ASCI) के तत्वावधान में काम करने वाली एक स्वायत्त संस्था "भारत में डेयरी कौशल के लिए उत्कृष्टता केंद्र (CEDSI)", किसानों की आजीविका के सशक्तिकरण और बेहतरी में मदद करने के लिए, वेतनभोगी कर्मचारी, और डेयरी मूल्य श्रृंखला में अन्य हितधारक।

सीईडीएसआई सदस्यता उद्योग के नेताओं, नीति निर्माताओं, विकास चिकित्सकों, डेयरी वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, छात्रों और किसानों को डेयरी उद्योग के लिए आसन्न महत्व के मुद्दों पर बहस और चर्चा करने के लिए एक अनूठा मंच प्रदान करेगी।

CEDSI : रविविंग स्किल्स एंड जनरेटिंग लाइवलीहुड

किसानों/छात्रों/उद्यमियों के लिए कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम

- डेयरी किसान / उद्यमी
- डेयरी फार्म पर्यवेक्षक
- डेयरी कार्यकर्ता
- पशु स्वास्थ्य कार्यकर्ता
- कृत्रिम गर्भाधान तकनीशियन
- पशु चिकित्सा क्षेत्र सहायक
- पशु चिकित्सा नैदानिक सहायक
- बछड़ा पालन
- कृषि उपकरण तकनीशियन
- डेयरी फार्म अर्थशास्त्र और प्रबंधन
- उद्योग संरेखित प्रमाणन कार्यक्रम (बेरोजगार युवा और छात्र)

एफपीओ उन्मुख प्रशिक्षण कार्यक्रम

- उत्पाद प्रौद्योगिकी और प्रक्रियाओं पर एफपीओ सदस्य अभिविन्यास।
- एफपीओ मार्केट लिंकेज
- एफपीओ शासन
- एफपीओ लेखा

डेयरी कॉरपोरेट्स और सहकारी समितियों के लिए प्रमुख कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम

- चिलिंग प्लांट तकनीशियन
- बल्क मिल्क कूलर ऑपरेटर
- ग्राम स्तरीय दुग्ध संग्रह केन्द्र पर्यवेक्षक
- दूध परीक्षक
- ग्रीन हाउस गैसों का शमन
- दूध की गुणवत्ता आश्वासन
- मिल्क डिलीवरी बॉय
- दूध खरीद और इनपुट पर्यवेक्षक
- डेयरी उद्योग में अपशिष्ट प्रबंधन
- चारा और चारा प्रबंधन
- स्वच्छ दूध उत्पादन
- निर्णय समर्थन प्रणाली / डेटा विश्लेषिकी

सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर डेरी स्किल्स इन इंडिया